हिन्दी प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण और हिन्दी कार्यशाला समारोह का दिनांक 29 दिसम्बर, 2025 का कार्यवृत्त

पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा दिनांक 29 दिसम्बर, 2025 को हिन्दी माह प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण समारोह एवं हिन्दी कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महा-निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अजीत कुमार साहू, संयुक्त सचिव (बीज), कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार उपस्थित रहे । कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. त्रिलोचन महापात्र, अध्यक्ष, पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा की गयी । कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथियों द्वारा पौधारोपण से की गयी। श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे ।

श्री उमाकान्त दुबे, संयुक्त-रजिस्ट्रार एवं प्रभारी (हिन्दी प्रकोष्ठ), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण द्वारा मुख्य अतिथि और कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया गया; उन्होंने अवगत कराया कि प्राधिकरण में हिन्दी माह, 2025 (14.09.2025 से 13.10.2025) के दौरान कुल 6 प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें प्राधिकरण के हिंदीत्तर भाषियों और अनेक कार्मिकों ने भाग लिया ।

डॉ. दिनेश कुमार अग्रवाल, रजिस्ट्रार जनरल, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार ने अपने भाषण में बताया कि वर्ष 2025 प्राधिकरण के लिए विशेष उपलब्धियों वाला रहा है । इसी वर्ष पौधा किस्म एवं कृषक अधिकार संरक्षण अधिनियम का राजक जयंती वर्ष है और इसके साथ उल्लेखनीय यह है कि इस वर्ष पंजीकरण के लिए प्राधिकरण में कुल आवेदन 21000 तक पहुँच गए है तथा 10000 से ज्यादा पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किए जा चुके है । जबकि प्राधिकरण में कोई हिंदी अधिकारी का पद सृजित नहीं है; फिर भी प्राधिकरण में अधिकतम कार्य हिंदी में किया जाता है और प्राधिकरण नराकास(उत्तरी दिल्ली) का अध्यक्षीय कार्यालय भी है ।

विशिष्ट अतिथि श्री कुमार पाल शर्मा, संयुक्त निदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए अवगत कराया कि हिंदी कैसे संघ की राजभाषा बनी। 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा के रूप में अपनाया। यह निर्णय 1950 से प्रभावी संविधान में औपचारिक रूप से शामिल किया गया। उन्होंने बताया कि फाईलो पर हस्ताक्षर हिंदी में, छोटी छोटी टिप्पणियों (नोटिंग), पत्राचार, और सभी शासकीय कार्यों में सरल, सहज हिंदी कों उपयोग किया जाए ।

विशिष्ट अतिथि श्री अजीत कुमार साहू, संयुक्त सचिव (बीज), कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। हमारे देश में अधिकांश लोग हिंदी बोलते है फिर भी हमें हिंदी समारोह और कार्यशाला की आवश्यकता पड़ती है। हिंदी भाषा एक नदी की तरह है जो अपने अंदर सब समा लेती है। हिंदी और उर्दू का अन्तर करना मुश्किल है। विभिन्नता होनी चाहिए, शुद्धता की आवश्यकता नहीं। ऐसा करने से प्रचार प्रसार बढेगा।

मुख्य अतिथि डॉ. मांगी लाल जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग एवं महा-निदेशक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की प्राधिकरण और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद को मिलकर संयुक्त प्रतियोगिता का आयोजन करना चाहिए और पुरस्कार वितरण करना चाहिए जिससे प्रतिस्पर्धा बढेगी और हिंदी भाषा को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और प्राधिकरण दोनों के हितधारक अधिकतम किसान है जो हिंदी का उपयोग करते है। किसानों के साथ वार्तालाप ज्यादतर हिंदी में किया जाता है जो एक महत्वपूर्ण कार्य है। हिंदी को बढ़ावा देने का काम प्राधिकरण कर रहा है। तत्पश्चात माननीय मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा

हिंदी माह में आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं कों पुरस्कार वितरण किया गया जिसका विवरण निम्न प्रकार है :

1. निबन्ध लेखन

प्रथम पुरस्कार	डॉ ज्योति जायसवाल
द्वितीय पुरस्कार	श्री धर्मेन्द्र
तृतीय पुरस्कार	श्री गौरव कुमार (वाई पी)
हिन्दीत्तर भाषी	
प्रथम पुरस्कार	सुश्री अंजलि नायक

2. मुहावरों/कहावतों/लोकोक्तियों का अर्थ लिखकर, अर्थ को प्रमाणित करने हेतु एक लघु कथा लेखन

प्रथम पुरस्कार	डॉ ज्योति जायसवाल
द्वितीय पुरस्कार	श्रीमती प्रियंका गौड़
तृतीय पुरस्कार	श्री श्याम नारायण प्रसाद
हिन्दीत्तर भाषी	
प्रथम पुरस्कार	सुश्री अंजलि नायक

3. नोटिंग प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार	श्रीमती रितु यादव
द्वितीय पुरस्कार	श्री गौरव शर्मा
तृतीय पुरस्कार	श्री संतोष सिंह बिष्ट
हिन्दीत्तर भाषी	
प्रथम पुरस्कार	श्री धीरज गंगेतीरे

4. अंग्रेजी हिंदी प्रशासनिक शब्दावली

प्रथम पुरस्कार	श्री धर्मेन्द्र
द्वितीय पुरस्कार	श्री विपिन त्यागी
तृतीय पुरस्कार	श्रीमती रितु यादव
हिन्दीत्तर भाषी	
प्रथम पुरस्कार	श्री डी.एस. राज गणेश

5. हिंदी में प्रेरक प्रसंग/कहानी सुनाना

प्रथम पुरस्कार	श्री अरुण कुमार
द्वितीय पुरस्कार	श्रीमती वसुधा जादौन
तृतीय पुरस्कार	श्रीमती सुदेश
हिन्दीत्तर भाषी	
प्रथम पुरस्कार	श्री डी.एस. राज गणेश

6. हिंदी प्रशन मंच प्रतियोगिता

प्रथम पुरस्कार	श्री गौरव शर्मा
द्वितीय पुरस्कार	श्री विवेक सेंगर
तृतीय पुरस्कार	श्री पवन पांडे

तत्पश्चात, कविता पाठ के लिए आमंत्रित कविगण श्रीमती राजरानी भल्ला और श्री अशोक कुमार सम्राट द्वारा अपनी-अपनी प्रेरणादायक, हास्य एवं मनोरंजन से भरपूर कविताओं का पाठ किया।

डॉ. त्रिलोचन महापात्र, माननीय अध्यक्ष, पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार ने अपने

भाषण में बताया कि प्राधिकरण नराकास (उत्तरी दिल्ली) का अध्यक्षीय कार्यालय भी है जिसने इस वर्ष दो सफलतापूर्वक छमाही बैठकें संपन्न की। वर्ष भर राजभाषा की गतिविधियां होती रही है। प्राधिकरण और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद एक साथ जुड़ा हुआ है; उन्होंने बताया कि बिना आईसीएआर के डीयूएस परीक्षण की प्रकिया को पूर्ण नहीं किया जा सकता। डीयूएस(DUS) दिशानिर्देश आईसीएआर तथा अन्य संस्थानों के वैज्ञानिको द्वारा ही बनायी जाती है जो विभिन्नता, एकरूपता एवं स्थायित्व परिक्षण के उपयोग में लायी जाती है। उन्होंने सुझाव दिया कि हिन्दी भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए इसे व्यवहारिक भाषा के रूप में अपनाया जाना चाहिए ताकि हिन्दी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन मिल सके।

अन्त में डॉ. डी. एस. पिलानिया, पौधा किस्म परीक्षक एवं प्रभारी (हिंदी प्रकोष्ठ), पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण प्राधिकरण, भारत सरकार द्वारा मुख्य अतिथि, अन्य अतिथियों तथा कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

❄❄❄❄❄